धमाकेदार करियर

21 वर्षीय सचिन ने पहली बार वनडे इंटरनैशनल में ओपनिंग की और धमाकेदार पारी के साथ शुरुआत की। इसके बाद सचिन दुनिया के बेस्ट ओपनिंग बल्लेबाजों में शामिल हो गए। वनडे इंटरनैशनल में पारी की शुरुआत ने सचिन के करियर को हमेशा के लिए बदल दिया। अपने 463 वनडे इंटरनैशनल मैचों लंबे करियर में सचिन ने 49 शतक लगाए। इनमें से 45 शतक पारी की शुरुआत करते हुए लगाए। अजहर से जब पूछा गया कि पारी की शुरुआत करने के फैसले पर सचिन ने कैसी प्रतिक्रिया दी तो अजहर ने कहा वह (सचिन) बहुत खुश हुए और कहा कि वह हमेशा से पारी की शुरुआत करना चाहते थे।

सचिन से ओपनिंग करवाने के लिए अजहरूद्दीन ने खाई थी डांट!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने उनकी कप्तानी में हुए कुछ ऐसे फैसलों की बात की जिसने भारतीय क्रिकेट और एक महान खिलाड़ी के करियर को हमेशा के लिए बदल दिया। एक स्पोर्ट्स वेबसाइट के लिए फेसबुक लाइव पर अजहर ने बताया कि उनके करियर का सबसे बोल्ड फैसला सचिन तेंडुलकर को पारी की शुरुआत करने भेजना था। अजहर से जब इसके पीछे की कहानी पूछी गई तो उन्होंने कहा, दरअसल, सचिन बहुत अच्छा खेल रहा है। वह शुरुआत में मेरे पास ओपनिंग करने की बात करने नहीं आया लेकिन तब मुझे अहसास हुआ चूंकि वह आक्रामक बल्लेबाज है इसलिए नंबर चार या पांच पर बल्लेबाजी करना और 30–40 रन बनाना, यह पोजीशन उसके लिए ठीक नहीं है। तब नवजोत सिंह सिद्धू एक मैच में चोटिल हो गए और मैंने टीम मैनेजर अजीत वाडेकर से बात की और आखिर में वह इस बात के लिए राजी हो गए कि सचिन को पारी की शुरुआत करनी चाहिए। अजहर ने कहा, आप प्रतिभा को दबा नहीं सकते। सचिन के पास प्रतिभा थी, मैंने सिर्फ उन्हें सपॉर्ट देना और उन्हें ओपनर बनाए रखना सुनिश्चित किया।

आईसीसी मीटिंग में होगा टी20 वर्ल्डकप पर बड़ा फैसला

क्रिकेट

अगले चेयरमैन के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू करने की हो सकती है घोषणा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की बुधवार को होने वाली बोर्ड सदस्यों की बैठक में ऑस्ट्रेलिया में इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के भविष्य को लेकर गतिरोध दूर होने की उम्मीद है। इस बैठक में अगले चेयरमैन के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा भी की जा सकती है।

बोर्ड के सदस्य इस समय ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को लेकर कोई ठोस फैसला कर सकते हैं, जिस पर कोविड–19 महामारी के कारण अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। ऐसे में क्या भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आग्रह पर 2021 के बजाए 2022 में मेजबानी करने पर सहमत हो जाएगा।

इस सवाल के जवाब में बीसीसीआई कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने से कहा, पहले आईसीसी को घोषणा करने दो कि उनका इस साल के वर्ल्ड टी20 को लेकर क्या इरादा है। इस साल के टूर्नमेंट को लेकर अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है।

आईसीसी बोर्ड की जानकारी रखने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, भारत या तो पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2021 के टूर्नमेंट की मेजबानी करेगा और ऑस्ट्रेलिया में 2022 में इसका आयोजन होगा या फिर इसके उलटा भी हो सकता है। किसी भी स्थिति में यह फैसला द्विपक्षीय सीरीज को ध्यान में रखकर करना होगा। एक अन्य पहलू प्रसारक स्टार इंडिया है, जिसने आईपीएल और आईसीसी प्रतियोगिताओं में भी निवेश किया है। अधिकारी ने कहा, स्टार भी हितधारक है। उनकी राय भी मायने रखेगी। ऐसे भी कयास लगाए जा रहे हैं कि अगर टी20 वर्ल्ड कप स्थगित या रद्द कर दिया जाता है तो अक्टूबर–नवंबर में इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा सकता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह होगा कि क्या आईसीसी के निवर्तमान चेयरमैन शशांक मनोहर और बोर्ड उनके उत्तराधिकारी के लिए नामांकन प्रक्रिया की औपचारिक घोषणा करेंगे। इस पद के लिए कई दावेदार हैं। एक महीने पहले तक इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के कोलिन ग्रेव्स सर्वसम्मत पसंद लग रहे थे और अब भी वह मुख्य दावेदार हैं लेकिन बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अहसान मनि के नाम भी इस पद के लिए उछाले जा रहे हैं, जिससे मामला दिलचस्प बन गया है।

बीसीसीआई ने हालांकि अभी तक गांगुली को उम्मीदवार बनाने का औपचारिक फैसला नहीं किया है। धूमल ने कहा, जल्दबाजी क्या है। वे पहले चुनाव प्रक्रिया घोषित करें। इसके लिए समयसीमा होगी। हम सही समय पर फैसला करेंगे।

राहुल द्रविड़ ने कहा, आज के क्रिकेट में फिट नहीं बैठ पाता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। राहुल द्रविड़ को यह स्वीकार करने में कोई दिक्कत नहीं कि वह जिस तरह से धीमी बल्लेबाजी करते थे उसे देखते उनके लिए आज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बने रहना मुश्किल होता लेकिन इसके साथ ही उनका मानना है कि रक्षात्मक तकनीकी का अस्तित्व बना रहेगा भले ही इसका महत्व कम होता जा रहा है।

द्रविड़ ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे बल्लेबाजों ने एकदिवसीय क्रिकेट में नए प्रतिमान स्थापित कर दिए हैं लेकिन टेस्ट क्रिकेट में चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाज की हमेशा जरूरत रहेगी। जहां तक उनकी खुद की बात है तो उन्हें रक्षात्मक

कहलाने में गुरेज नहीं क्योंकि वह शुरू से ही टेस्ट खिलाड़ी बनना चाहते थे।

द्रविड़ ने पूर्व भारतीय खिलाड़ी संजय मांजरेकर के साथ ईएसपीएनक्रिकइन्फो वीडियोकास्ट में कहा, 'अगर इसका मतलब लंबे समय तक क्रीज पर बने रहना या गेंदबाजों को थकाना या मुश्किल परिस्थितियों में नई गेंद की चमक खत्म करना है ताकि बाद में खेलना आसान हो सके तो मैं ऐसा करता था।'

उन्होंने कहा, 'मैं इसे अपनी भूमिका के तौर पर देखता था और मुझे इस पर गर्व है। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं वीरेंदर सहवाग के जैसे बल्लेबाजी नहीं करना चाहता था या उस तरह से शॉट नहीं खेलना चाहता था लेकिन हो सकता है कि मेरा कौशल अलग तरह का हो। मेरा कौशल प्रतिबद्धता और एकाग्रता से जुड़ा था और मैंने इस पर काम किया।'

इस पूर्व कप्तान ने इसके साथ ही कहा कि वह 300 से अधिक वनडे में खेले जिसका मतलब है कि उनकी भूमिका केवल विकेट बचाये रखने तक ही सीमित नहीं थी। द्रविड़ ने कहा, 'निश्चित तौर पर मैं जिस तरह से बल्लेबाजी करता था अगर आज के दिनों में वैसी बल्लेबाजी करता तो मैं (टीम में) टिक नहीं पाता। आज का स्ट्राइक रेट देखो।

कम मेहनत में अधिक कमाई के कारण सफल हो रहा है टी20

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) किंगस्टन। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डैरेन गंगा का मानना है कि कम मेहनत में 10 गुना अधिक कमाई करने के मौके के कारण ही दुनिया भर के क्रिकेटर टी20 विशेषज्ञ के रूप में अपना करियर बना रहे हैं। पिछले दशक में टी20 क्रिकेट की लोकप्रियता के कारण युवा क्रिकेटर टी20 विशेषज्ञ के तौर पर अपना करियर संवार रहे हैं।

गंगा ने कहा कि यह हैरान करने वाला नहीं है। इस पूर्व क्रिकेटर ने विजडन एवं क्रिकविज के सर्वश्रेष्ठ टी20 पोडकॉस्ट के दौरान कहा, यह मानव प्रवृति है कि अगर आपको दस गुना कम मेहनत करने पर दस गुना अधिक कमाई होती है तो आप यह फैसला पलक झपकाए बिना कर देंगे। उन्होंने कहा, वेस्टइंडीज ही नहीं दुनिया भर के अधिकतर क्रिकेटरों की स्थिति ऐसी है। वेस्टइंडीज की तरफ से 48 टेस्ट, 35 वनडे और केवल 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले गंगा ने कहा कि दुनिया भर में टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के कारण क्रिकेटर अपने देश का प्रतिनिधित्व किये बिना भी विभिन्न टी20 लीग में खेलकर अच्छी जिंदगी जी रहे हैं। खिलाड़ियों के पास कई तरह के अवसर हैं।

न्यूज डायरी

दर्शकों की वापसीः सुपर रग्बी मैच में 35,000 प्रशंसकों के पहुंचने की उम्मीद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेलिंगटन। डुनेडिन स्थित हाईलैंडर्स को उम्मीद है कि शनिवर को चीफ्स के खिलाफ सुपर रग्बी मैच के लिए 20 हजार दर्शक पहुंचेंगे। कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के बाद यह पहला बड़ा रग्बी मैच है जो दर्शकों की मौजूदगी में आयोजित होगा। सुपर रग्बी ओटियारोआ रग्बी यूनियन का पहला बड़ा टूर्नमेंट है जो कोविड–19 महामारी के प्रकोप के बाद दोबारा शुरू हुआ है और यह दुनिया की शुरुआती बड़ी खेल प्रतियोगिता में से एक है जिसमें दर्शकों की संख्या पर कोई सीमा तय नहीं की गई है। दूसरी तरफ ऑकलैंड स्थिति ब्ल्यूज टीम को रविवार को हरिकेन्स के खिलाफ होने वाले मैच में 35 हजार लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद है क्योंकि इस मुकाबले में राष्ट्रीय टीम के कई खिलाड़ी शामिल होंगे। न्यूजीलैंड सरकार ने सार्वजनिक रूप से लोगों के जुटने की संख्या को लेकर सोमवार को सभी तरह की रोक हटा दी जिसका मतलब है कि अब सामाजिक दूरी की जरूरत नहीं है और मैचों के दौरान स्टेडियम की क्षमता के जितने दर्शक आ सकते हैं।

सनराइजर्स के साथी खिलाड़ी करते थे नस्लीय व्यवहारः डैरेन सैमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डैरेन सैमी ने एक वीडियो जारी कर सनराइजर्स हैदराबाद के टीम कैंप में नस्लवाद होने का आरोप लगाया है। पिछले सप्ताह, सैमी ने कहा था कि जब उन्हें श्कालूश शब्द का अर्थ पता चला तो वह आपा खो बैठे। उन्हें काफी गुस्सा आया। सैमी ने कहा था कि इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ खेलते हुए कई बार उनके खिलाफ यह शब्द इस्तेमाल किया गया था। इस टी20 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान ने कहा था कि उनके और श्रीलंका के थिसारा परेरा जब सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते थे तो कई बार कालू शब्द का इस्तेमाल होता था। हालांकि, उन्हें यह नहीं मालूम था कि किसने उनके लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया था लेकिन अब उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा है कि वह उन सब लोगों को मेसेज करेंगे, जिन्होंने उन्हें यह शब्द कहा था।

घरेलू टेस्ट सीरीज में भारतीयों पर छींटाकशी करने से बच सकते हैं वेड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने मंगलवार को कहा कि भारत के खिलाफ इस साल के आखिर में होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के दौरान वह छींटाकशी से दूर रह सकते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि विराट कोहली और टीम इसका उपयोग फायदे के तौर पर करती है। वेड इससे पहले अपने विरोधियों पर कड़ी टिप्पणियां करते रहे हैं। विशेषकर भारत के खिलाफ 2017 की वनडे श्रृंखला और पिछले साल की एशेज सीरीज के दौरान उन्होंने ऐसा किया था। लेकिन इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह भारतीय खिलाड़ियों के साथ शाब्दिक जंग में नहीं उलझना चाहते हैं क्योंकि इससे उनको बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरणा मिलेगी। वेड ने वीडियो कॉन्फ्रेन्स के जरिए पत्रकारों से कहा, 'वह बेहद कड़ी टीम है। वे इसका (छींटाकशी) उपयोग अपने फायदे के लिए करते हैं।

क्या टिकटॉक पर आ गए हैं विराट कोहली?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। हाल ही में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर क्या अपलोड किया। उनके साथी क्रिकेटरों में हलचल मच गई कि कहीं विराट भी तो टिकटॉक पर नहीं आ गए। विराट का यह वीडियो देखकर ऑस्ट्रेलिया के ओपनिंग बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने तो साफ–साफ लिख दिया टिककॉक। विराट की पोस्ट पर इन दिग्गजों के इस कॉमेंट से फैन्स में जिज्ञासा बढ़ गई कि विराट कोहली टिकटॉक पर आ गए हैं। कई फैन्स ने उन्हें इस वीडियो मेकिंग ऐप पर तलाशने की कोशिश की। लेकिन बाद में उन्हें निराशा ही मिली। लेकिन विराट टिकटॉक पर आ गए हैं, ऐसे कयास लगाने वाले वॉर्नर और पीटरसन की भी कोई गलती नहीं है। दरअसल विराट ने जो वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था उसकी एडिटिंग देखकर कोई भी यही कहेगा कि यह टिकटॉक का कमाल है।